साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 131 | जौनपुर, मंगलवार, 06 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

हिमाचल में 225 करोड़ के निवेश से लगेगा स्वचालित दूध प्रसंस्करण संयंत्र

शिमला, एजेसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रविवार को कहा कि सरकार ने राज्य के कांगड़ा जिले में अत्याधुनिक स्वचालित दूध प्रसंस्करण संयंत्र लगाने के लिए पारामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। उन्होंने कहा कि 1.50 लाख लीटर प्रति दिन (एलएलडीपी) की प्रारंभिक क्षमता और तीन एलएलपीडी तक विस्तार योग्य संयंत्र पूरी तरह से स्वचालित सुविधा होगा। ६ागवार में पहले चरण में 225 करोड़ रुपये के निवेश से बनने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना का लक्ष्य दही, लस्सी, मक्खन, घी, पनीर, सुगंधित दूध, खोया और मोत्जारेला पनीर सहित विभिन्न प्रकार के डेयरी उत्पादों का उत्पादन करना है। सुक्खू ने कहा कि यह परियोजना राज्य के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संयंत्र चंबा, हमीरपुर, कांगड़ा और ऊना जिलों में किसानों से सीधे दूध खरीदकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने किसानों को उनकी मेहनत का अच्छा मूल्य दिलाने के लिए दूध खरीद में पारदर्शिता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संयंत्र के संचालन को बनाए रखने के लिए 2.74 एलएलपीडी खरीदने के लक्ष्य के साथ दूध खरीद नेटवर्क को मजबूत करने के लिए 43 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश रखा गया था।

सीएम मोहन यादव ने पीएम मोदी से दिल्ली में की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव इस समय दिल्ली दौरे पर हैं। उस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। संसद भवन में दोनों के बीच में काफी लंबी बातचीत हुई है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इस मुलाकात के दौरान दोनों के बीच राज्य की प्रगति और विकास कार्यों को लेकर बातचीत हुई होगी। साथ ही, उन्होंने पीएम मोदी को प्रदेश की सरकार के बारे में फीडबैक दिया होगा। साथ ही, उम्मीद जताई जा रही है कि केन बेतवा लिंक परियोजना के भूमिपूजन सहित अन्य विकास संबंधी योजनाओं पर चर्चा हुई है। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद सीएम यादव ने कहा, सरकार चलाने और व्यवस्था को संभालने के लिए उन्होंने संतोष व्यक्त किया है। साथ ही उन्होंने सरकार अच्छे से काम करे, जनता के लिए सारे काम करे और प्रदेश के विकास कार्यों पर ध्यान दे, इसके लिए पीएम मोदी ने आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि अच्छे कामों में लगातार वह हमारे साथ है। साथ ही, सीएम यादव ने कहा कि प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम आगे बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी से मुलाकात करने के बाद सीएम मोहन यादव ने दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की।

पीएम मोदी ने मणिपुर के लोगों को उनके हाल पर छोड़ा - खरगे

नई दिल्ली, एजेसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मणिपुर की स्थिति को लेकर सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्वोत्तर के इस राज्य के लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि पिछले साल संसद से प्रधानमंत्री ने मणिपुर के लोगों को जो आश्वासन दिया था, वह भी खोखला लगता है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मणिपुर में लगातार जारी हिंसा के कारण अनगिनत जिंदगियों को तबाह हुए नौ महीने हो गए हैं, लेकिन प्रध ाानमंत्री मोदी के पास राज्य का दौरा करने के लिए एक घंटा भी नहीं है। क्यों? उन्होंने आखिरी बार चुनाव प्रचार के लिए फरवरी, 2022 में मणिपुर का दौरा किया था और अब उन्होंने मणिपुर के लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। उनके मुताबिक, राज्य में 4 मई, 2023 से अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 60,000 लोग विस्थापित हुए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''लगभग 50,000 लोग पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं और भोजन के बिना घृणित परिस्थितियों में राहत शिविरों में रह रहे हैं। लोग पहले ही सब कुछ खो चुके हैं – अपना घर, अपनी आजीविका और अपना सामान। वे कहीं नहीं जा सकते। उनका भविष्य अंधकारमय है।'' खरगे ने कहा, ''कुछ खबरों के अनुसार, अकेले चुराचांदपुर के शिविरों में कुपोषण और बीमारी के कारण 80 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। इम्फाल के शिविर भी बेहतर नहीं हैं। शिविरों में जो भी सहायता प्रदान की जा रही है वह अच्छे लोगों, गैर सरकारी संगठनों के सामूहिक प्रयासों से आई है, न कि राज्य सरकार द्वारा। भाजपा द्वारा दिखाई गई पूर्ण उदासीनता और उपेक्षा के कारण महिलाएं और बच्चे पीड़ित हैं।

चंपई सोरेन सरकार ने हासिल किया विश्वास मत, समर्थन में 47 वोट पड़े

रांची, एजेंसी। चंपई सोरेन ने झारखंड विधानसभा में विश्वास मत जीत लिया। 47 वोट मिले। 81 सदस्यीय सदन में एनडीए को 29 वोट मिले। 47 में एक मनोनीत सदस्य शामिल है। चंपई सोरेन की जीत की घोषणा झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने की. झारखंड विधानसभा में इसका जोरदार स्वागत किया गया। सदन को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया गया है और मंगलवार को फिर से शुरू होगा। भूमि धोखाधड़ी मामले में झामुमो नेता हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद चंपई सोरेन को नेतृत्व सौंपा गया, जिससे विधानसभा में गठबंधन के बहुमत को सुरक्षित रखने की चुनौती का सामना करना पड़ा। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने अपनी सरकार के फ्लोर टेस्ट से पहले राज्य विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा, ष्मैं गर्व से कहता हूं कि मैं हेमंत सोरेन का पार्ट–2 हूं... आज पूरा देश देख रहा है कि किस तरह से हेमंत सोरेन के साथ अन्याय हो रहा है. आप किसी भी गांव में चले जाएं, हर घर में आपको हेमंत सोरेन की योजनाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि हेमंत है तो हिम्मत है और झारखंड के आदिवासी और मूलवासी आर्थिक, सामाजिक दमन से पीड़ित थे। हेमन्त बाबू ने उनके बारे में सोचा। उन्होंने सभी वंचित लोगों को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा। ये क्या गुनाह है क्या। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आज विश्वास मत ला रहे हैं।

एक राष्ट्र, एक चुनाव पर बैठक में शामिल नहीं होंगी ममता, दिल्ली दौरा रद्द

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को घोषणा की कि उन्होंने श्एक राष्ट्र, एक चुनावश पर एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने के लिए अपनी प्रस्तावित दिल्ली यात्रा रद्द कर दी है। मूल कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री को मंगलवार की बैठक में भाग लेने के लिए सोमवार शाम को दिल्ली रवाना होना था और उसी रात कोलकाता लौटना था। हालांकि, उन्होंने सोमवार को कहा कि चूंकि इस समय राज्य विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है, इसलिए सदन में उनकी मौजूदगी महत्वपूर्ण है और इसलिए उन्होंने अपनी यात्रा रद्द करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्य सुदीप बंद्योपाध्याय और कल्याण बनर्जी श्एक राष्ट्र, एक चुनावश पर बैठक में पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे। मुख्यमंत्री की प्रस्तावित दिल्ली यात्रा को लेकर काफी समय से अटकलें लगाई जा रही थीं, ऐसी अफवाहें चल रही थीं कि श्एक राष्ट्र, एक चुनावश पर बैठक में भाग लेना उनकी राष्ट्रीय राजधानी की यात्रा का एकमात्र उद्देश्य नहीं था। यहां के राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि बजट सत्र के दौरान राज्य विधान सभा में उपस्थित रहने के मुख्य मंत्री के आग्रह का महत्व बढ़ गया है, क्योंकि ऐसी चर्चा है।

मालदीव के साथ चल रहे विवाद पर विदेश मंत्री जयशंकर बोले- एक मुद्दे में अनावश्यक रूप से उलझने

नयी दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत–मालदीव विवाद के हालिया रिश्तों को लेकर कहा कि हममें से कोई भी इसे बढ़ा–चढ़ाकर नहीं बताना चाहता। मंत्री ने कहा कि मालदीव की एक टीम ने दो दिनों के लिए भारत का दौरा किया। उन्होंने कहा कि हमारे बीच एक समझ है। अपनी नई किताब, व्हाई भारत मैटर्स के बारे में फ्री–व्हीलिंग बातचीत के दौरान, जयशंकर ने विभिन्न विदेश नीति के मुद्दों के बारे में बात की और भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर कहां खड़ा है। मंत्री ने मालदीव, चीन, पाकिस्तान और अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प की वापसी की संभावना के संबंध में प्रमुख चिंताओं को संबोधित किया। मालदीव के साथ राजनयिक खींचतान के बारे में बोलते हुए, जयशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि समय के साथ, हमारे बीच कोई मुद्दा नहीं होना चाहिए। मुझे लगता है कि बाकी संबंध मजबूत हैं हमारे बीच कई अन्य चीजें हो रही हैं और मुझे उम्मीद है कि इस विशेष मुद्दे को अनावश्यक रूप से खींचने के बजाय ध्यान केंद्रित किया जाएगा। चीन के साथ राजनयिक संबंधों पर मंत्री ने कहा कि हालांकि गंभीर समस्याएं हैं और चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा पर एक अलग रुख पेश कर रहा है, वह इसके लिए खड़े हैं। मैं कहूंगा कि मैं सैन्य दृष्टि से चुनौती के लिए तैयार हो गया हूं। तथ्य यह है कि हम साल भर बहुत कठिन परिस्थितियों में इतने सारे सैनिकों को तैनात करने में सक्षम रहे हैं जो चीनी प्रतिक्रिया को रोकते हैं, वास्तव में कई मायनों में यह अपने आप में एक उपलब्धि है। 2020 में, जब चीनियों ने एलएसी पर कदम बढ़ाया, तो हम एक कोविड लॉकडाउन के बीच में थे। मुझे लगता है कि लोग इस बात की पूरी तरह से सराहना नहीं करते हैं कि हमारे लिए हजारों सैनिकों को इतनी तेजी से उस ठंड में उन पहाड़ों पर ले जाना, जहां कोविड लॉकडाउन था। जयशंकर ने कहा कि चीन की चुनौती का सामना करने के लिए भारत को प्रौद्योगिकियों का निर्माण और विकास करना होगा और बुनियादी ढांचे का निर्माण करना होगा।

वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट नये उत्तर प्रदेश में 'रामराज्य' की नींव रखेगा - योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा में 2024–25 का बजट आज पेश हुआ। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विध ाानसभा, लखनऊ में बजट पेश किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। वित्त मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी ने श्सबका साथ सबका विकासश के नारे को लागू किया है और हमारी नीतियां विशेष रूप से युवा महिलाओं, किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कानून–व्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार हुआ है, इसके साथ ही बुनियादी ढांचे और सामूहिकता में उल्लेखनीय सुधार और विस्तार के परिणामस्वरूप ग्लोबल माध्यम से 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। वर्ष 2023 में इन्वेस्टर समिट आयोजित होगी, जिससे प्रदेश में 1.10 करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा। राज्य के बजट का आकार बढ़ाकर 7,36,437 करोड़ रुपये कर दिया है। इसमें 24,863.57 करोड़ रुपये की नई योजनाएं शामिल हैं। सुरेश खन्ना ने कहा कि संगठित अपराध का खात्मा हो गया है और औद्योगिक क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। कारोबार सुगमता की रैंकिंग में राज्य कभी 14वें स्थान पर था, आज दूसरे स्थान पर है। डार्क जोन में नए निजी ट्यूबवेल कनेक्शन देने पर लगी रोक हटा दी गई है, जिसका सीधा लाभ लगभग एक लाख किसानों को हुआ... वर्ष 2023–2024 में अक्टूबर, 2023 तक लगभग 37 लाख किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किये गये। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत वर्ष 2022–2023 के लिए लगभग 10 लाख बीमित किसानों को अक्टूबर, 2023 तक 831 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति का भुगतान किया गया। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत दिसंबर 2023 तक 2 करोड़ 62 लाख किसानों के खातों में लगभग 63,000 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई। खन्ना ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा वर्ष 2017 से 29 जनवरी 2024 तक लगभग 48 लाख गन्ना किसानों को 2.33 लाख करोड़ रूपये से अधिक का रिकार्ड गन्ना मूल्य भुगतान किया गया। उन्होंने बताया कि यह गन्ना मूल्य भुगतान पिछले 22 वर्षों के संयुक्त गन्ना मूल्य भुगतान 2.1 लाख करोड़ रुपये से 20,274 करोड़ रुपये अधिक है।

मुख्यमंत्री धामी कैबिनेट ने यूसीसी विधेयक के मसौदे को मंजूरी दी

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यूनियन सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर मुख्यमंत्री निवास पर रविवार को कैबिनेट की बैठक बुलाई, जिसमें यूसीसी के मसौदे को मंजूरी दी गई। विधानसभा सत्र 5 से 8 फरवरी तक चलने वाला है। इस सत्र में सदन के पटल पर यूनिफॉर्म सिविल कोड का ड्राफ्ट रखा जाएगा। विधानसभा सत्र शुरू होने जा रहा है। इस सत्र में मुख्यमंत्री 6 फरवरी को समान नागरिकता कानून को सदन के पटल पर रहने वाले हैं। और उसे सदन में पास कराकर जल्द ही प्रदेश में लागू करने वाले हैं। इसके बाद उत्तराखंड यूसीसी को लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। दूसरी ओर, यूसीसी का मुस्लिम सेवा संगठन ने विरोध भी जताया है। इतना ही नहीं, विधानसभा सत्र से पहले प्रदेश में धारा 144 लागू कर दी गई है, ताकि 6 फरवरी को जब विधानसभा के पटल पर यूसीसी के ड्राफ्ट को रखा जाएगा, तब कोई भी असामाजिक तत्व किसी भी अप्रिय घटना को अंजाम न दे सके। प्रदेश में किसी तरह की कोई उत्पात या अप्रिय स्थिति या घटना न हो, इसको देखते हुए आज से ही धारा144 लागू कर दी गई है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी रहेगी लड़ाई – पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में कहा कि आज जब भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है तो ये लोग हंगामा करते हैं, जबकि कांग्रेस के शासन काल में एजेंसियों का राजनीतिक दुरुपयोग किया जाता था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इतनी बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होने से देश सदमे में है। जनता देख रही है। उन्होंने कहा कि पहले सदन का पूरा समय घोटालों की चर्चा में जाता था, भ्रष्टाचार की चर्चा में जाता था। लगातार एक्शन की मांग होती थी, चारों तरफ सिर्फ भ्रष्टाचार की ही खबरें होती थीं। आज जब भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई होती है तो ये लोग उनके समर्थन में हंगामा करते हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनके (यूपीए) कार्यकाल के दौरान, जांच एजेंसियों का इस्तेमाल केवल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया गया था। मुझे कुछ प्रकाश डालने दीजिएरू पीएमएलए के तहत हमने पहले की तुलना में दोगुने मामले दर्ज किये। कांग्रेस के कार्यकाल में ईडी ने सिर्फ 5000 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी। हालांकि, हमारे कार्यकाल में ईडी ने 1 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। लूटे हुए पैसे चुकाने होंगे। उन्होंने कहा कि अब बिचौलियों के लिए गरीबों को लूटना बहुत मुश्किल हो गया है। डीबीटी, जनधन अकाउंट, आधार, मोबाइल... उसकी ताकत हमने पहचानी है। 30 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम हमने लोगों के खाते में सीधा पहुंचायी है। मोदी ने कहा कि पहले कांग्रेस के एक प्रधानमंत्री ने कहा था कि हम 100 रुपए भेजते हैं तो 15 पैसे ही गरीबों तक पहुंचते हैं। उन्होने जौर देते हुए कहा कि मैं इस पवित्र सदन में दोहराता हूं।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मानहानि मामले में मुख्यमंत्री केजरीवाल के खिलाफ समन रद्द करने से इनकार किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मई 2018 में यूट्यूबर ध्रुव राठी द्वारा प्रसारित एक कथित मानहानिकारक वीडियो को रीट्वीट करने संबंधी आपराधिक मानहानि मामले में आरोपी के रूप में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जारी समन को सोमवार को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने केजरीवाल को तलब करने वाले निचली अदालत के 2019 के आदेश को रद्द करने से इनकार करते हुए कहा कि मानहानिकारक सामग्री वाले सोशल मीडिया पोस्ट को रीट्वीट करना भारतीय दंड संहिता की धारा 499 के तहत मानहानि के समान होगा। अदालत ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री को रीट्वीट करते समय कुछ जिम्मेदारी की भावना अवश्य जुड़ी होनी चाहिए जिसके बारे में व्यक्ति को जानकारी नहीं है। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता ने समन रद्द करने से इनकार करने के निचली अदालत के दो आदेशों को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने मामले में पहले निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। मजिस्ट्रेट अदालत ने सोशल मीडिया पेज 'आई सपोर्ट नरेन्द्र मोदी' के संस्थापक की आपराधिक शिकायत के बाद अगस्त 2019 में केजरीवाल को तलब किया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आप नेता ने मानहानिकारक वीडियो को रीट्वीट किया था। उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि ऐसी चीज को रीट्वीट करने पर दंडात्मक, दीवानी कार्यवाही हो सकती है। इसने कहा कि जब रीट्वीट मुख्यमंत्री सहित राजनीतिक व्यक्तियों द्वारा किया जाए तो यह सार्वजनिक धारणा बन सकता है जिस पर जनता विश्वास कर सकती है। अदालत ने कहा कि अगर आप नेता वीडियो को रीट्वीट करने के अपने कदम को उचित ठहराना चाहते हैं तो मुकदमे के चरण में ऐसा किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने पूर्व में मजिस्ट्रेट के आदेश को एक सत्र अदालत में चुनौती दी थी, जिसने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद उन्होंने सत्र अदालत के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती देते हुए कहा कि निचली अदालत यह समझने में विफल रही कि उनके ट्वीट का उद्देश्य शिकायतकर्ता विकास सांकृत्यायन को नुकसान पहुंचाने का नहीं था।

संपादकीय

बाड़ पर बैठना हमेशा गलत

आपके घर में दोस्तों का झगड़ा होना असुविधाजनक है। मैं जानता हूं, क्योंकि यह उस दिन हुआ था और मैं अभी भी इससे उबर नहीं पाया हूं। हम उस राजमार्ग से एक किलोमीटर दूर रहते हैं जो केरल से लोगों को कोल्लूर में मूकाम्बिका मंदिर तक ले जाता है। चूँकि मैं और मेरी पत्नी दोनों की जड़ें केरल में हैं, हमारे बहुत सारे दोस्त और रिश्तेदार हैं जो कभी–कभी मैंगलोर के उत्तर के हिस्सों, आमतौर पर कोल्लूर, बल्कि अन्य स्थानों से आते–जाते रहते हैं। ऐसी सभी यात्राएँ सुखद नहीं होतीं। कुछ हफ्ते पहले, हमारे पास कोझिकोड से एक आगंतुक आया था। वह 30 साल का है, विश्वविद्यालय में प्रोफेसर है, और कट्टर वामपंथी हैरू चलो उसे अभय कहते हैं। मैं उसे उसके पिता के माध्यम से जानता हूं, जो एक अच्छे दोस्त हैं, और मैं इस युवा से आखिरी बार दो दशक पहले मिला था, जब वह सिर्फ 10 साल का था। वह कोल्लूर नहीं बल्कि अगुम्बे जा रहा था, यह देखने के लिए कि क्या इलाके में आदिवासियों का शोषण हो रहा है। हमने उसे एक आरामदायक कुर्सी पर बैठाया ही था और उसे चाय भी दी थी, तभी दरवाजे की घंटी दूसरी बार बजी। दरवाजे पर कन्नूर का एक और दोस्त था, जो एक सफल डिजिटल मार्केटिंग व्यवसाय वाला व्यवसायी था, जो मानता है कि मंदिर जाना उसके लिए अच्छा है। आइए उसे एंथोनी कहें। मैंने भी उनका स्वागत किया और एंथोनी और अभय को एक–दूसरे से मिलवाया। और फिर घर्षण शुरू हो गया. "क्या आप भी कोल्लूर जा रहे हैं?" एंथनी से पूछा.

"मंदिर?" अभय ने जवाब दिया. "बिलकुल नहीं! मैं ऐसी बातों पर विश्वास नहीं करता। मुझे राहत मिली कि उसने कोई कड़ा शब्द इस्तेमाल नहीं किया, लेकिन उसकी आवाज में अवमानना स्पष्ट रूप से झलक रही थी। अयोध्या में श्री राम मंदिर का समारोह अभी–अभी समाप्त हुआ था, और मुझे पता था कि इसके बारे में लोगों की अलग–अलग राय थी। कमरे में माहौल ठंडा हो गया, लेकिन एंथोनी शांत रहा। "आह!" उसने कहा। "क्या आप यही सिखाते हैं? नास्तिकता?" "ठीक है," अभय ने उत्तर दिया, "नहीं। मैं साहित्य पढ़ाता हूं. क्रांतिकारी साहित्य. मैं निश्चित रूप से धर्म के नाम पर सर्कस को प्रोत्साहित नहीं करता। अयोध्या की तरह।" एंथोनी मेरी ओर मुड़ा। "और आप क्या कहते हैं?" उन्होंने ऐसे पूछा, मानो मुझे एक प्रकार का निर्णायक वोट देना हो। मैं वास्तव में मंदिरों वगैरह में जाने में विश्वास नहीं करता, लेकिन मेरे मन में कहीं न कहीं यह डर है कि शायद धर्म में भी कुछ है, इसलिए मुझे यकीन नहीं है। इसके अलावा, मुझे सभी राम भक्तों को राजनीतिक सर्कस का हिस्सा करार देना कठिन लगता है। मैं कुछ क्षणों के लिए चुप रहा, इस दौरान अभय भी निर्णायक की तरह मेरी ओर मुड़ा। "मुझे नहीं पता," आखघ्रिकार मैंने कहा। माहौल फिर बदल गया. अभय और एंथोनी में कुछ समानता पाई गईरू मेरे प्रति उनका तिरस्कार। और फिर एंथोनी को उसकी पत्नी का फोन आया, जो कुछ मिनटों की सहज बातचीत के बाद इजराइल और गाजा का जिक्र करती दिखी और एंथोनी ने इजराइल का समर्थन करते हुए जवाब दिया। जब एंथोनी ने फोन रखा, तो अभय जाग गया। उन्होंने कहा, "इजरायल जो कर रहा है वह बचाव योग्य नहीं है।" अभय ने कहा, "यह देखते हुए कि इजराइल ने गजावासियों के साथ कैसा व्यवहार किया है।" "और गाजा इस स्थिति में कैसे पहुंचा, क्या आपको याद है?" एंथनी से पूछा. मैं बाकी की कुछ बातचीत से चूक गया, हालांकि यह गर्म थी क्योंकि मुझे 1948, 1967 और 1973 के अरब–इजरायल युद्ध और कुछ पहले का इतिहास याद था, कि कैसे प्रथम विश्व युद्ध के बाद अंग्रेजों ने अरबों को फिलिस्तीन का वादा किया था, लेकिन सौदे से मुकर गया। लेकिन फिर, यहूदी धर्म के सबसे पवित्र स्थल फिलिस्तीन में थे, और इसलिए यहूदी पहले थे३ या वे थे? यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितना पीछे गए, और मैं कोई इतिहासकार नहीं हूं। एंथोनी ने मुझे कंधे पर थपथपाते हुए मुझे वर्तमान में वापस ला दिया। "ठीक है," उसने पूछा, "आप क्या सोचते हैं? यह किसकी जमीन है?" "मैं सचमुच नहीं जानता," मैंने उत्तर दिया। "यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितनी दूर तक जाते हैं।" इस बार, उन दोनों को मेरे प्रति अपनी अवमानना छुपाने में परेशानी हुई। यदि वे मेरे घर में नहीं होते तो उन्होंने मुझे ऐसे नामों से पुकारा होता, जिनमें से सबसे नरम शब्द "कायर" थे! एंथोनी, उम्र में मेरे करीब होने के अलावा, एक पुराना दोस्त होने के कारण, अधिक ईमानदार था। "आप कैसे नहीं जान सकते?" उसने पूछा। "क्या आप समाचार नहीं पढ़ते?" मैंने स्वीकार किया कि मैंने किया। मैंने यह भी स्वीकार किया कि मैं बड़े पैमाने पर बेरोजगार हूं और इसलिए, इतिहास पढ़ना और यूट्यूब पर उबाऊ पुराने वीडियो देखना और पॉडकास्ट सुनना आदि करता हूं। ऐसा लग रहा था कि एंथोनी की कुछ ईमानदारी अभय पर हावी हो गई थी, इसलिए उसने वहीं से काम शुरू कर दिया जहां एंथोनी ने छोड़ा था। "यदि आप यह सब कर रहे हैं तो यह आपके लिए स्पष्ट होना चाहिए कि इजराइल यहाँ गलती पर है!""आपको यह स्पष्ट होना चाहिए कि यहाँ गलती हमास की है!" एंथोनी ने कहा। "यह बिल्कुल स्पष्ट है कि रूस के खिलाफ यूक्रेन के युद्ध में गलती यूक्रेन और पश्चिम की है!" इससे उनकी निगाहें मुझ पर टिक गईं। "यह उस ठग पुतिन की गलती है!" अभय ने एंथोनी से कहा। "क्रीमिया में उनका कोई व्यवसाय नहीं था! हिटलर ने 1939 में चेकोस्लोवाकिया में यही किया था!" "नाटो का यूक्रेन सहित कोई व्यवसाय नहीं है!

एक दिव्य नर्तक का पतन और उत्थान

आदित्य

इस सप्ताह, आइए हम तमिलनाडु में वर्ष 1525 में वापस जाएँ, जब संगीतकारों का एक परिवार अपने बच्चे के जन्म की प्रतीक्षा कर रहा था। वे वाद्य संगीतकार थे जो मंदिरों में बजाते थे, और उनके समुदाय को इसाई वेल्लालर के नाम से जाना जाता था, जिसका शाब्दिक अर्थ है 'संगीत विकसित करने वाले'। वे कावेरी डेल्टा के सिरकाली शहर में रहते थे और चिदम्बरम में उनके नौवीं शताब्दी के मंदिर में भगवान शिव को कूथन, ब्रह्मांडीय नर्तक के रूप में पूजते थे। चिदम्बरम सिरकाली से कोल्लीदम नदी के उस पार था और भारत में एकमात्र स्थान था जहाँ शिव को नृत्य के देवता नटराज के रूप में दर्शाया गया था। यदि नवजात शिशु लड़का था, तो परिवार ने उसका नाम शिव के नाम पर 'थंडवन' रखने की योजना बनाई, 'वह जो थंडवम नृत्य करता है' दृ माना जाता है कि वह ब्रह्मांडीय नृत्य ब्रह्मांड को चालू रखता है। यह नटराज की कांस्य मूर्तियों के माध्यम से व्यक्त की गई एक दार्शनिक अवधारणा थी। ऐसी मूर्तियों के प्रत्येक विवरण में एक प्रतिष्ठित अर्थ और धर्मशास्त्र की परतें थीं। ये मौखिक परंपरा के माध्यम से सभी को अच्छी तरह से ज्ञात थे, इसलिए एक मूर्ति शिक्षित और उन दोनों के लिए एक किताब की तरह थी जो पढ़ नहीं सकते थे। लेकिन जब बच्चा आया तो उसके परिवार को बहुत निराशा हुई। वह कमजोर, बीमार और आकर्षक नहीं था। यह एक सुंदर परिवार था, जिसे अपनी संगीत प्रतिभा और मंदिर और समाज में सम्मान के स्थान पर गर्व था। वे शर्मिंदा और क्रोधित थे कि उनका बेटा, उनका उत्तराधिकारी, जिससे हर किसी को ईर्ष्या होनी चाहिए थी, एक संपत्ति नहीं बल्कि एक दायित्व था। इसलिए थंडवन की अपने परिवार में स्थिति, जो आसमान से ऊंची होनी चाहिए थी, नीचे गिर गई। उसका एकमात्र मित्र पड़ोस के घर की महिला शिवभाग्यम थी। शिवभाग्यम के मन में थंडावन के लिए हमेशा दयालु मुस्कान रहती थी। जब वह शिव की दैनिक पूजा करती थी और महान भगवान के बारे में उनके लिए गीत गाती थी, तो उसे देखने के लिए उसने उसे घर पर आमंत्रित किया। थंडावन के परिवार को इस बात से नफरत थी कि वह उसके साथ अच्छा व्यवहार करती थी। उन्होंने इसे व्यक्तिगत अपमान के रूप में लिया। वे इसे कैसे रोक सकते थे? वे उसे घर से बाहर निकालने का शैतानी विचार लेकर आये। यदि वह अब उनके साथ नहीं रहता, तो वह पड़ोस की महिला से मिलने नहीं जा सकता था। न ही कवल या नगर पुलिस किसी को आवासीय सड़क पर घूमने देगी। उत्तर भारत में छोटे अंधे सूरदास की तरह अपने ही परिवार द्वारा घर से बाहर निकाले जाने पर, लड़के की अनिश्चित दुनिया पूरी तरह से उसके कानों में पड़ गई। वह लड़खड़ाते हुए सिरकाली के शिव मंदिर में पहुंच गया। वह और कहाँ जा सकता था? वह मंदिर के बाहर भिखारियों की कतार में सबसे अंत में बैठ गया। अपना हाथ आगे बढ़ाने की इच्छा न रखते हुए, वह मंदिर के प्रसाद के ऐसे टुकड़ों पर निर्भर रहा जो उसके पास गिर गए और दिन–ब–दिन बीमार होते गए।

एक गर्म दोपहर में, वह छाया के लिए रेंगते हुए मंदिर के भंडार कक्ष में गए जहाँ पालकियाँ रखी हुई थीं। भूख से कमजोर होकर वह एक कोने में बेहोश होकर गिर पड़ा। शाम की पूजा के बाद, पुजारियों ने शरणार्थी के बारे में न जानते हुए, तेल के दीपक बुझा दिए और रात के लिए ताला लगा दिया। अँधेरे में जागकर, थंडवन ने हल्की–हल्की आवाज लगाई और थककर लेट गया। कुछ ही देर बाद, एक छोटी लड़की एक ट्रे में खाना और पानी लेकर आती हुई दिखाई दी। उसने उज्ज्वल, स्नेहपूर्ण तरीके से उसे बुलाया। थंडावन ने देखा कि यह मुख्य पुजारी की बेटी थी। उसने उसे खाना खिलाया और सलाह दी कि वह हर दिन चिदम्बरम जाए और मंदिर में बोले गए पहले शब्दों के साथ शिव के लिए एक नया गीत लिखे। बहुत आराम मिला, थंडावन सोने चला गया। अगले दिन, जब भंडार कक्ष का ताला खुला, तो थंडावन बाहर निकले और वहां सो जाने के लिए विनम्रतापूर्वक माफी मांगी। परन्तु पुजारियों ने आश्चर्य से उसकी ओर देखा।

अपने देश का सम्मान बढ़ाती खबरें

आदित्य

मीडिया में कई बार खबरें आती हैं, मीडिया में कई बार ऐसी खबर आती हैं, जिन्हें पढ़कर या सुनकर गौरव महसूस होता है।ऐसी ही खबर पिछले दिनों लद्दाख सीमा से आई। लद्दाख के पूर्वी इलाके के स्थानीय चरवाहों और चीनी सैनिकों का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि चीनी (पीएलए) सैनिक लद्दाखी चारवाहों को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास भेड़ चराने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन लद्दाखी उन्हें पूरी निडरता के साथ जवाब दे रहे हैं। 2020 के गलवान संघर्ष के बाद स्थानीय चरवाहों ने इस क्षेत्र में जानवरों को चराना बंद कर दिया था। वीडियो में मौके पर लगभग तीन चीनी बख्तरबंद वाहन और कई सैनिक दिखाई दे रहे हैं। वाहन अलार्म बजाते हैं, जाहिर तौर पर चरवाहों को वहां से चले जाने का संकेत देते हैं, लेकिन लद्दाखी अपनी जिद पर अड़े हैं और पीएलए सैनिकों के साथ बहस करते नजर आ रहे हैं। चरवाहों का कहना है कि वे भारतीय क्षेत्र में मवेशी चरा रहे हैं। कुछ मौकों पर जब झगड़ा बढ़ जाता है तो कुछ चरवाहे पत्थर उठाते नजर आते हैं। लेकिन वीडियो में हिंसा भड़कती नहीं दिख रही है। वीडियो में दिख रहे चीनी सैनिक हथियारबंद नहीं हैं। चरवाहों के विरोध के बाद ची सैनक वापिस चले जातें हैं। चुशूल के पार्षद कोंचोक स्टैनजिन ने स्थानीय चरवाहों द्वारा दिखाए गए प्रतिरोध की सराहना की और उनका समर्थन करने के लिए भारतीय सेना की प्रशंसा की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "पूर्वी लद्दाख के सीमावर्ती क्षेत्रों में चरवाहों और खानाबदोशों को पैंगोंग के उत्तरी तट के साथ पारंपरिक चरागाहों में अपने अधिकारों का दावा करने की सुविधा प्रदान करने में भारतीय सेना द्वारा किए गए सकारात्मक प्रभाव को देखना खुशी की बात है। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसे मजबूत नागरिक–सैन्य संबंधों और सीमा क्षेत्र की आबादी के हितों की देखभाल के लिए भारतीय सेना को धन्यवाद देता हूं।'चुशूल पार्षद ने कहा कि भारतीय बलों के समर्थन के कारण चरवाहे चीनी सैनिकों का बहादुरी से सामना कर सके। उन्होंने कहा, "इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमारी सेनाएं पीएलए के साथ चराई संबंधी मुद्दों को सुलझाने में हमेशा नागरिकों के साथ हैं, यह सब उनके समर्थन के कारण ही है कि हमारे खानाबदोश पीएलए का बहादुरी से सामना कर सके। एक जमाना था कि चीन के कहने पर भारत सरकार अपने सैनिकों को आदेश देकर अपने कब्जे वाले क्षेत्र मे बनाए बंकर तुड़वा देती थी। सीमा क्षेत्र में यातायात और संचार के साधन चीन के दबाव के कारण पिछली सरकारों में नही बढ़ाए जा सके थे ।2020 में चीन से विवाद के बाद हालात बदले हैं।सीमावर्ती क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रास्ते ही नहीं बन रहे, हवाई सेवाओं का विस्तार हो रहा है।चीन सेना के सामने भारतीय सेना सीना ताने खड़ी है।आधुनिक शस्त्र चीन की सीमा पर तैनात किये गए हैं। पिछले दिनों कनाडा ने आरोप लगाया था कि उसके नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की भारत ने हत्या कराई। हरदीप सिंह निज्जर भारत का इनामी आंतकी था। यह विवाद चल ही रहा था कि अमेरिका भी कहने लगा कि उसके नागरिक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या कराने की कोशिश हुई है। भारत ने इन दोनों घटनाओं का खंडन किया है। अमेरिका के आरोप की जांच कराने का आदेश किया गया है। इसी बीच पाकिस्तान भी कहने लगा कि भारतीय गुप्तचर संगठन उसके यहां रहने वालों की हत्या करा रहे हैं। बतातें चलें कि पिछले कुछ समय में पाकिस्तान में रह रहे भारत के कई प्रसिद्ध आतंकियों की हत्याएं हुई हैं। पाकिस्तान में रह रहे आतंकी डरे हुए हैं।वे पाकिस्तान से लगातार अपनी सुरक्षा बढाने की मांग कर रहे हैं। उन्हें खतरा लग रहा है कि भारत उनकी हत्या करा सकता है। भारत कहता रहा है कि उसका इसमें कोई हाथ नही किंतु दुनिया में जा रहा यह मैसेज बहुत अच्छा है कि भारत अपने दुश्मन को माफ करने वाला नही है। चाहे वो कहीं जाकर छिप जाए।पहले यह धारणा इस्राइल की गुप्तचर संस्था मोसाद के बारे में थी। मौसाद और इस्राइल के बारे में विख्यात था कि वह अपने दुश्मन को माफ करना नही जानता। वह कहीं भी छिप जाए उसका मरना तय है। दुनिया में भारत के बारे में भी अब ऐसी धारणा वन रही है,बन रही है। ये बहुत अच्छा है।देश के दुश्मन के दिल में खौफ होना ही चाहिए। अभी कनाडा की सुरक्षा खुफिया एजेंसी की एक रिपोर्ट आई है।इसमें आरोप लगाया गया कि भारत उसके देश के होने वाले चुनाव में हस्तक्षेप करना चाहता है। अपनी रिपोर्ट में एजेंसी ने कहा कि कनाडा में होने वाले चुनाव में भारत और चीन हस्तक्षेप कर सकता है।कनाडाई मीडिया ग्लोबल न्यूज ने अपने ब्रीफिंग रिपोर्ट में कहा–यह पहली बार है जब कनाडा ने भारत पर चुनाव में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है। चीन और रूस पर पहले से ही कनाडा की राजनीति में दखल देने के आरोप लग रहे थे।ये आरोप हैं।इनका लगना अच्छा है।ऐसे आरोप लगते रहने चाहिए।दुनिया और भारत के दुश्मनों के दिमाग में यह भय घुंस जाना चाहिए कि भारत का दुश्मन कही भी हो सुरक्षित नही है। दूसरा भय दुश्मन में यह होना चाहिए की भारत अपने दुश्मन को माफ नही करता। पिछले अक्टूबर से इस्राइल अपने देश पर हमला करने वाले हुति आंतकवादियों के खिलाफ युद्ध छेड़े है।

लैंगिक भेदभाव से मुक्त नहीं हुआ ग्रामीण समाज

आसिफ

दीदी, हमको भी पढ़ने का बहुत मन करता है. लेकिन मम्मी–पापा स्कूल जाने नहीं देते हैं, कहते हैं पढ़ कर का करेगी. चूल्हा–चौका सीख लेगी तो ससुराल में काम आएगा. घर का काम नहीं सीखेगी तो ससुराल वाले हमें बुरा कहेंगे. आप बताइए दीदी, क्या हम लड़कियों का जन्म खाली (केवल) ससुराल की सेवा करने के लिए हुआ है? क्या हमारी कोई इच्छा नहीं है? मेरे भाई को प्राइवेट स्कूल में भेजते हैं लेकिन हमको (मुझे) सरकारी स्कूल तक में जाने नहीं देते हैं." यह सख्त सवाल 16 वर्षीय सुमन के थे, जिसका जवाब मेरे पास नहीं था. सुमन बिहार में महात्मा बुद्ध की धरती कहे जाने वाले प्रसिद्ध गया जिले के कैशापी पुरानी डिह गांव की रहने वाली किशोरी है. यह गांव जिला मुख्यालय से करीब 15 किमी दूर डोभी ब्लॉक के अंतर्गत है. इस गांव में करीब 633 परिवार रहते हैं. जिसकी कुल आबादी लगभग 3900 है. इतनी बड़ी आबादी वाला यह गांव 11 टोला में बंटा हुआ है. अनुसूचित जाति बहुल इस गांव में करीब 1600 अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग परिवार रहता है. यहां की अधिकतर आबादी खेती किसानी से जुड़ी हुई है. ज़्यादातर परिवार खेती किसानी से जुड़ा हुआ है. जिनके पास खेती लायक जमीन नहीं है वह रोजगार के अन्य साधन से जुड़े हुए हैं. ज़्यादातर लोग रोजगार के लिए दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, सूरत और गुरुग्राम पलायन करते हैं. कैशापी पुरानी डिह में साक्षरता की दर लगभग 58 प्रतिशत है. इसमें महिलाओं की साक्षरता दर मात्र 27 प्रतिशत है. यह अंतर केवल साक्षरता की दर में ही नहीं बल्कि सोच में भी नजर आता है। यहां का ग्रामीण समाज लैंगिक भेदभाव से आजाद नहीं हुआ है. गाँव की 16 वर्षीय ज्योति कहती है कि "हम लड़कियों के साथ इस प्रकार का भेदभाव आम है। हमारे माता–पिता को हमारी शिक्षा से अधिक चिंता घर का कामकाज सिखाने की रहती है। वह शिक्षा के महत्व नहीं जानते हैं। इसीलिए वह हमारे स्कूल जाने के बारे में नहीं सोचते हैं। लेकिन यदि हमें अवसर मिले तो हम लड़कियां भी बता सकती हैं कि हम लड़कों से कम नहीं हैं.। कक्षा 6 में पढ़ने वाली सोनी पासवान कहती है कि "मेरा स्कूल में नाम तो लिखा दिया गया है लेकिन बहुत कम स्कूल जाने दिया जाता है। मां कहती है कि तू स्कूल चली जाएगी तो छोटे भाई बहन को कौन संभालेगा? घर का काम कौन करेगा?" वह बताती है कि उसके माँ–बाप दैनिक मजदूर हैं। वह प्रतिदिन सुबह मजदूरी करने चले जाते हैं और देर शाम वापस लौटते हैं। ऐसे में उनके पीछे चार छोटे भाई–बहनों की देखभाल और खाना बनाने की सारी जिम्मेदारी सोनी की होती है। बड़े होकर टीचर बनने का ख्वाब देखने वाली सोनी को जब भी अवसर मिलता है वह पढ़ने बैठ जाती है। यह स्थिति केवल सुमन, ज्योति या सोनी के साथ ही नहीं है, बल्कि इस गाँव में निम्न जाति की लगभग सभी लड़कियों के साथ है। उन्हें स्कूल जाने की बजाए घर में रहकर घर के कामों को करने और अपने से छोटे भाई–बहनों को संभालने की जिम्मेदारी उठानी पड़ती है। कई बार ज्यादा आमदनी के लिए माता–पिता उन्हें अपने साथ मजदूरी पर भी ले जाते हैं। ऐसे में इन लड़कियों का शिक्षा प्राप्त करने का ख्वाब अधूरा रह जाता है। दूसरी ओर इस समुदाय में लड़कों की शिक्षा को प्राथमिकता दी जाती है। उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है। लड़कियों को जहां पराया धन मान कर शिक्षा प्राप्त करने से रोका जाता है, वहीं दूसरी ओर लड़के को वंश का उत्तराधिकारी समझा जाता है। हालांकि इसी गाँव में कुछ घर उच्च जाति के भी हैं, जहां परिस्थिती इससे अलग देखने को मिलती है। उच्च जाति की लगभग सभी लड़कियां स्कूल और कॉलेज जाती हैं। उन्हें शिक्षा प्राप्त करने का पूरा अवसर मिलता है। अभिभावक लड़कों के समान ही उन्हें पढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। लेकिन जागरूकता के अभाव में निम्न जाति में अभी भी शिक्षा के प्रति उदासीनता नजर आती है। माता–पिता को लड़कियों को पढ़ाने से कहीं अधिक घर के कामों को सिखाने की चिंता रहती है। निम्न समुदाय की इन लड़कियों दोहरे भेदभाव का सामना करनी पड़ती है। कक्षा 9 में पढ़ने वाली रौशनी बताती है कि "जब भी हम स्कूल जाते हैं तो उच्च जाति के शिक्षक न केवल हमारा मजाक उड़ाते हैं बल्कि हमारे साथ भेदभाव भी करते हैं। शिक्षक कहते हैं कि तुम लड़कियां पढ़ कर क्या करोगी? कौन सा कलेक्टर बन जाओगी?" वह बताती है कि स्कूल में हमारे लिए पानी की अलग व्यवस्था की जाती है। हमें उच्च जाति की लड़कियों के साथ बैठने भी नहीं दिया जाता है। यहां तक कि पीने का पानी भी अलग है। एक बार एक लड़की ने उच्च जाति के नल से पानी भर लिया था तो एक शिक्षक ने उसकी बुरी तरह पिटाई कर दी थी, जिससे उसका हाथ टूट गया था। लेकिन उनकी दबंगता के कारण किसी ने उनके खिलाफ कंप्लेन करने की हिम्मत नहीं दिखाई। बहरहाल, बिहार सरकार ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही है। खास बात यह है कि इसमें अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग की बालिकाओं की शिक्षा के लिए कई प्रकार की विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसके बावजूद इस समुदाय में लड़कियों की शिक्षा के प्रति नकारात्मक सोच इसकी महत्ता को कमजोर बना देता है। लड़कियों की शिक्षा के प्रति ऐसी सोच दरअसल जागरूकता की कमी के कारण है। ऐसे में सरकार को योजनाओं के संचालन के साथ साथ गाँव में माता–पिता के साथ जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है। उन्हें यह बताने की आवश्यकता है कि लैंगिक भेदभाव न केवल लड़कियों के सर्वांगीण विकास में बाधक है बल्कि देश की तरक्की में भी रोड़ा है क्योंकि आध ी आबादी को नजरंदाज कर कोई भी समाज या देश विकसित नहीं बन सकता है।

क्षेत्रीय युद्ध के बादल पूर्व की ओर नहीं बहने

विनोद

ईरान और पाकिस्तान द्वारा एक–दूसरे के क्षेत्र पर हाल ही में किए गए मिसाइल हमलों और हवाई हमलों ने दोनों देशों के बीच पहले से ही जटिल संबंधों पर एक लंबा प्रभाव डाला है। शिया समुदाय का भंवर ईरान, कई शिया गैर–राज्य अभिनेताओं जैसे लेबनान में हिजबुल्लाह, यमन में हौथिस, इराक में तत्कालीन महदी की सेना और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद और गाजा पट्टी में हमास जैसे सुन्नी संगठनों का समर्थन करता है। कुछ नाम है। पाकिस्तान एक दुष्ट परमाणु– सशस्त्र राज्य है जिसका दुनिया भर के सत्तावादी राज्यों में अवैध परमाणु प्रसार का इतिहास है। ईरान, एक सभ्यतागत इकाई, जो सहस्राब्दियों तक फैली हुई है, और पाकिस्तान, जो 1947 में भारतीय उपमहाद्वीप के विभाजन तक ब्रिटिश भारत का हिस्सा था, के बीच एक ऐतिहासिक वंशावली जुड़ी हुई है, जिसमें फारसी और मैसेडोनियन की साझा विरासत शामिल है, और यह यहीं तक सीमित नहीं है। साम्राज्यों को सांप्रदायिक विभाजन और छद्म युद्धों की आधुनिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जो वे वैचारिक और यहां तक कि व्यापारिक कारणों से करते हैं। दोनों देशों ने सहयोग और विवाद दोनों का ताना–बाना बुना है। सांस्कृतिक आदान –प्रदान और धार्मिक आत्मीयता के आवरण के नीचे गहराई से अंतर्निहित अविश्वास और भू–राजनीतिक दबाव हैं, जो इन पड़ोसियों को बांधने वाले नाजुक बंधनों का लगातार परीक्षण कर रहे हैं। हाल की झड़पें उनके बीच बढ़ती दुश्मनी को दर्शाती हैं जो पश्चिम एशिया में ईरान –पाकिस्तान– अफगानिस्तान उप–क्षेत्र की स्थिरता पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती हैं। ईरान और पाकिस्तान के बीच संबंध ऐतिहासिक रूप से इतने तनावपूर्ण नहीं थे। वास्तव में, शाही ईरान पाकिस्तान की स्वतंत्रता को मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था, और ईरान के शाह, मोहम्मद रजा पहलवी, पाकिस्तान की आधिकारिक राजकीय यात्रा करने वाले पहले राज्य प्रमुख थे। ईरान और पाकिस्तान दोनों अमेरिकी गुट के साथ संबद्ध थे, और अमेरिका, सोवियत को नियंत्रित करने के लिए बेताब था, उनके गहरे संबंधों का समर्थन करता था। 1950 के दशक में, पाकिस्तान और ईरान ने मित्रता की संधि पर हस्ताक्षर किए, और ईरान ने 1965 और 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्धों में सक्रिय रूप से पाकिस्तान का समर्थन किया। वास्तव में, 1971 के युद्ध के दौरान, पाकिस्तानी युद्धक विमानों को सामरिक बैकअप के रूप में तेहरान हवाई अड्डे पर पार्क किया गया था। पाकिस्तान भी पूरब की तरह ढह गया. हालाँकि, 1979 की ईरानी क्रांति के बाद संबंधों में आमूल–चूल परिवर्तन आया। अयातुल्ला रूहुल्लाह खुमैनी के नेतृत्व में ईरान के नवगठित धार्मिक राज्य ने देश में काम कर रही सभी अमेरिकी और यूरोपीय कंपनियों को बाहर कर दिया और इसके तेल भंडार का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इसने पाकिस्तान को, जो अमेरिका के साथ गठबंधन में था, ईरान के साथ अपने बढ़ते संबंधों को बाधित करने के लिए मजबूर किया। अफगानिस्तान पर सोवियत आक्रमण के बाद, ईरान ने सोवियत संघ के खिलाफ शिया आतंकवादियों का समर्थन किया, जबकि पश्चिम और पाकिस्तान ने सुन्नी आतंकवादियों का समर्थन किया। एक बार जब सोवियत पीछे हट गए, तो पश्चिम समर्थित तालिबान ने अफगानिस्तान पर नियंत्रण कर लिया और 8 अगस्त, 1998 को काबुल में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हमला कर दिया, जिसमें एक ईरानी पत्रकार और आठ राजनयिकों की मौत हो गई, जिसे मजार–ए–शरीफ के नाम से जाना जाता है। नरसंहार. इसने पाकिस्तान के साथ ईरान के रिश्ते को जटिल बना दिया, जिसने तालिबान को अपनी भूराजनीतिक साजिशों के लिए सक्रिय रूप से वित्त पोषित किया। दोनों देशों के बीच एक अन्य क्षेत्र–बलूचिस्तान में चल रही खींचतान के कारण रिश्ते और भी जटिल हो गए। बलूचिस्तान क्षेत्र पाकिस्तान और ईरान के बीच बना हुआ है। यह सोना, तांबा, प्राकृतिक गैस और क्रोमाइट जैसे प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। इन संसाधनों का दोनों देशों द्वारा बड़े पैमाने पर दोहन किया गया है। हालाँकि, 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के प्राकृतिक संसाधन होने के बावजूद, पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में गरीबी दर 65 प्रतिशत है, जो पाकिस्तान में सबसे अधिक है। इसी तरह ईरान के सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांतों में गरीबी दर लगभग 80 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय औसत लगभग 28 प्रतिशत है। ध्यान की इस कमी ने क्षेत्र में अलगाववादी भावनाओं को बढ़ावा दिया है। अपने बलूचिस्तान प्रांत से ध्यान हटाने के लिए और अपने संरक्षकों दृ सऊदी और पश्चिम, जिनके ईरान के साथ

शत्रुतापूर्ण संबंध हैं – को खुश करने के लिए पाकिस्तान ईरान के बलूचिस्तान क्षेत्र में जैश उल–अदल जैसे सुन्नी–बलूच जिहादी समूहों को प्रायोजित कर रहा है। जवाब में, ईरान ने बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) का समर्थन किया है जो पाकिस्तानी पक्ष में काम कर रहे हैं। 7 अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमास के आतंकवादी हमले और उसके बाद इजराइल द्वारा गाजा को नष्ट करने और प्रतिशोध के रूप में इसकी नागरिक आबादी के नरसंहार के बाद यह भूराजनीतिक संघर्ष और भी खराब हो गया है।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान कैलाश हाल और गोल्डन जुबली हाल ने सम्मिलित रुप से अर्जित किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में इंटर हॉस्टल कॉम्पिटिशन फेस्ट– 2024 का सातवाँ दिन साहित्यिक प्रतियोगिता, ट्रैक प्रतियोगिता और रस्सा कसी के नाम रहा स पूर्व की भाती छात्र–छसत्रसओ का उत्साह अडिग रहा। साहित्यिक इवेंट्स के क्रम में जस्ट ए मिनट और क्विज प्रतियोगिता का आयोजन छात्रों के लिए सुभाष हाल में किया गया

जस्ट इन मिनट एवम प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के जज डा. अमर तिवारी और डा. सुयुष यादव रहे जस्ट इन मिनट मे प्रथम स्थान एलबीएस हाल एवम दूसरा स्थान हबीबुल्ला हाल ने प्राप्त किया और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता होमी जहांगीर भाभा हाल की टीम ने जीती एवम दूसरे स्थान पर महमूदाबाद हाल रहा

वही छात्राओं की पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवम वाद–विवाद प्रतियोगिता गोल्डन जुबली हाल ने आयोजित की गई

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का विषय आध्यात्मिक धरातल पर विकसित भारत 2024 था साथ ही वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का निरीक्षण एवम मूल्यांकन श्रीमती हिमानी चौधरी, डा किरण लता डंगवाल और डा अंकिता वर्मा ने अपना महत्वपूर्ण समय दे कर किया । वाद–विवाद प्रतियोगिता मे शीर्षक कृत्रिम बुद्धिमता रू शाप या वरदान था

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान कैलाश हाल और गोल्डन जुबली हाल ने सम्मिलित रुप से अर्जित किया एवम वाद–विवाद प्रतियोगिता में कैलाश हाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया इसी के साथ ट्रैक और फील्ड स्पर्धाएं LUAA ग्राउंड में आयोजित की गई स 100 मीटर दौड़ में अर्जुन सिंह , हबीबुल्ला हाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, 200 मीटर दौड़ पुरुष वर्ग में हबीबुल्ला हाल , 400 मीटर दौड़ मे महमूदाबाद और रिले रेस में सुभाष हाल ने बाजी मारी

महिला वर्ग मे 100 मीटर दौड़ मे कैलाश हाल की महिमा शुक्ला ने जीत दर्ज की वही 200 मीटर दौड़ एवम 400 मीटर दौड़ दोनो मे ही बीरबल साहनी की अंतर्राष्ट्रीय छात्राओं ने बाजी मारी। महिला रिले रेस में भी बीरबल साहनी की छात्राओं ए जीता स रस्साकसी मे सुभाष हाल (पुरुष वर्ग) ने एवम बीरबल साहनी हाल (महिला वर्ग) की अंतरराष्ट्रीय छात्राओं ने जीत दर्ज की सभी कार्यक्रम सुचारू एवम व्यवस्थित रूप से डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रोफेसर संगीता साहू और चीफ प्रोवोस्ट प्रोफेसर अनूप कुमार सिंह की देखरेख मे पूर्ण हुऐ। इन सभी प्रतियोगिताओं में सभी प्रोवोस्ट और सहायक प्रोवोस्ट उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार का बजट प्रदेश के विकास को आगे बढ़ाने वाला है,किंतु व्यापारियों को सीधा–सीधा बजट में कुछ नहीं मिला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय में संगठन के पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए बजट का सजीव प्रसारण देखा तथा वित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए बजट का आपस में विचार विमर्श कर चर्चा की

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया बजट प्रदेश के विकास को बढ़ाने वाला है तथा इसमें लगभग सभी वर्गों की चिंता की गई है किंतु व्यापारियों को सीधा–सीधा इसमें कहीं कोई उल्लेख नहीं आया है उन्होंने कहा लेकिन अपरोक्ष रूप से लखनऊ में 15000 एकड़ में एरो सिटी बनाए जाने के प्रस्ताव से लखनऊ का विकास होगा तथा लखनऊ के व्यापारियों को लाभ होगा तथा युवा उद्यमियो एवं सूक्ष्म लघु उद्योग सेक्टर के बढ़ावा देने से व्यापारियों को भी लाभ होगा तथा हथकरघा एवं टेक्सटाइल के नए हब बनने एवं पावरलूम को बढ़ावा देने से भी व्यापारियों को इसका लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा आगरा एक्सप्रेस वे एवं पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को आपस में जोड़ने से प्रदेश में यातायात सुगमता बढ़ेगी उसका भी लाभ व्यापारियों को मिलेगा तथा फ्लाई ओवर एवं राज्य राजमार्गों,रेलवे पुल आदि के बढ़ने से भी प्रदेश का विकास होगा

उन्होंने कहा बजट में अयोध्या के लिए भी धन की व्यवस्था की गई है अयोध्या के धार्मिक पर्यटन के रूप से विकसित होने से प्रदेश के कई जिलों के व्यापारियों का व्यापार बढ़ेगा व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा प्रदेश के खुदरा व्यापारियों के व्यापार को बचाने एवं बढ़ाने के लिए भी सरकार को योजना बनानी चाहिए तथा व्यापारियों के स्वास्थ्य बीमा की भी सरकार को चिंता करनी चाहिए थी। बजट चर्चा में नगर अध्यक्ष हरजिंदर सिंह ,नगर उपाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा, लेखराज मार्केट के प्रभारी राज, मुंशी पुलिया के अध्यक्ष दीपक सिंह चौहान सहित कई व्यापारी शामिल थे।

नव अंशिका महिला माह 1 मार्च से

हर शुक्रवार को होगा "द ग्रेट शक्तिस्वरूपा उत्सव"

पूरे माह पांच समारोहों के माध्यम से जुड़ेंगी हर वर्ग की "यूपी की सशक्त बेटियां"

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नव अंशिका फाउंडेशन की ओर से नव अंशिका महिला माह की शुरुआत शुक्रवार 1 मार्च से होगी। इस साल चूंकि महिला दिवस शुक्रवार को मनाया जा रहा है इसलिए मार्च माह के सभी पांचों शुक्रवारों को, "मिशन शक्ति" को समर्पित प्रेरक कार्यक्रम "शक्तिस्वरूपा उत्सव" के अंतर्गत आयोजित किये जा रहे हैं। इसमें विभिन्न वर्गों से सम्बंध रखने वाली यूपी की सशक्त बेटियों को शामिल किया जाएगा। यह कार्यक्रम 1, 8, 15, 22 और 29 मार्च को होंगे।

नव अंशिका फाउंडेशन संस्था की अध्यक्षा नीशू त्यागी की अगुआई में 1 मार्च को गोमती नगर के रेल विहार कालोनी घरों में काम करने वाली महिलाओं को "नव अंशिका श्रमदेवी शक्ति सम्मान" दिया जाएगा।

इस क्रम में दूसरे शुक्रवार 8 मार्च, महिला दिवस पर चूंकि शिवरात्रि महापर्व भी है इसलिए उस दिन "शिव की शक्ति" थीम पर कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर महिला दिवस स्लोगन, चित्रकला, नृत्य, गायन आदि के सात मार्च तक प्राप्त वीडियोज को नव अंशिका फाउण्डेशन के सोशल साइट्स पर 8 मार्च को शेयर किया जाएगा।

तीसरे शुक्रवार 15 मार्च को शिक्षा, खेल, कला आदि क्षेत्र में यश अर्जित करने वाली "यूपी की सशक्त बेटियों" को "नव अंशिका तेजस्वनी सम्मान" से अलंकृत दिया जाएगा। इसका मकसद उनकी उपलब्धियों के माध्यम से दूसरों को राह दिखाना है।

चौथे शुक्रवार 22 मार्च को होली के फाग गायन, व्यंजन, रंगोली आदि पर "रंग–रंगीली सहेली" प्रतियोगिता, घरेलू महिलाओं के बीच करवायी जाएगी।

अंतिम शुक्रवार 29 मार्च को पुरुषों के क्षेत्र में नाम अर्जित करने वाली महिलाओं को "नव अंशिका सर्वश्री सम्मान" से अलंकृत किया जाएगा।

"शक्तिस्वरूपा उत्सव" के लिए हेल्पलाइन का नम्बर "9721700025" है। इसके माध्यम से इस आयोजन और प्रतिभागिता के बारे में जानकारी हासिल की जा सकती है।

संयोजक दबीर सिद्धिकी ने बताया कि इस साल का महिला दिवस का अमेरिका में सोशलिस्ट पार्टी के आह्वान पर, यह दिवस सबसे पहले 28 फरवरी 1909 को मनाया गया। उसके बाद यह फरवरी के आखिरी इतवार के दिन मनाया जाने लगा। साल 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल के कोपेनहेगन सम्मेलन में इसे अन्तर्राष्ट्रीय दर्जा दिया गया। साल 1917 में रूस की महिलाओं ने, महिला दिवस पर रोटी और कपड़े के लिये हड़ताल की जिसके

परिणाम स्वरूप जार ने सत्ता छोड़ी, अन्तरिम सरकार ने महिलाओं को वोट देने का अधिकार दिया। ग्रेगेरियन कैलेंडर के अनुसार वह दिन 8 मार्च था। ऐसे में साल 1921 में 8 मार्च महिला दिवस के रूप में विश्व स्तर पर मनाया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2024 की थीम – लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी निर्धारित किया गया है। इसका मकसद दुनिया भर में महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण के लिए डिजिटल युग में प्रौद्योगिकी और शिक्षा के उपयोग के प्रति जागरुकता लाना है।

मन को भय मुक्त एवं तनाव मुक्त रखें

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पायनियर माण्टेसरी इंटर कॉलेज की एलडीको शाखा के श्री पूरन सिंह मेमोरियल प्रेक्षागृह में कक्षा 10 एवं 12 के बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थियों को तनाव रहित परीक्षा एवं परीक्षा में सफलता प्राप्त करने हेतु एक मोटिवेशनल कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका शीर्षक था इंगनाइट योर सक्सेस। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ मुकेश कुमार सिंह ,उप शिक्षा निदेशक समग्र शिक्षा तथा विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक डॉ नेहा आनंद थी । कार्यशाला का आरंभ पारंपरिक दीप प्रज्जवलन तथा मां शारदा की मूर्ति एवं संस्थापक प्रबंधक स्व० श्री पूरन सिंह जी के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ ब्रजेंद्र सिंह, प्रधानाचार्या शर्मिला सिंह, समस्त शाखाओं की प्रधानाचार्या शिक्षकगण,बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने वाले लगभग 700 छात्र छात्राएँ उपस्थित थे। सभी अतिथियों का सम्मान पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करके किया गया।

इस अवसर पर

मुख्य अतिथि डॉ मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि पढ़ाई को टाले नहीं ।उचित समय प्रबंधन तथा नियमितता का ध्यान रखें, मन पर नियंत्रण रखें तथा परम शक्ति में विश्वास रखें क्योंकि इससे विद्यार्थियों को परीक्षा संबंधी तनाव से मुक्त होने में सहायता मिलती है।

विशिष्ट अतिथि डॉक्टर नेहा आनंद ने कहा कि सर्वप्रथम विद्यार्थियों को अपने दिमाग से निकाल देना चाहिए की बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक लाना जीवन में सफलता के लिए आवश्यक है। इसलिए मन को भय मुक्त एवं तनाव मुक्त रखें ।

उस विषय एवं करियर का चयन करें जिसमें रुचि हो। उन्होंने यह भी कहा कि अपने आप से बात करें ।

प्रबंधक डॉ ब्रजेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान तनाव मुक्त रहने को कहा क्योंकि मंजिल चाहे जितनी ऊंची क्यों ना हो , रास्ता पैरों के नीचे से जाता है ।अतः तन को चलायमान एवं मन को स्थिर रखें, प्रतिस्पर्धा स्वयं से करें औरो से नहीं, सतत् प्रयास एवं आत्मविश्वास बनाए रखें। तभी मनचाही सफलता पा सकते हैं। इस अवसर पर दोनों अतिथियों ने बच्चों के सभी प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी समस्याओं को दूर किया। कार्यक्रम के अंत में प्रबंधक ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया।

हर वर्ष पूर्ण बजट का उपयोग नहीं कर पा रही है सरकार – रोहित अग्रवाल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। रोहित अग्रवाल

प्रदेश अध्यक्ष (व्यापार)

राष्ट्रीय लोकदल ने भाजपा सरकार की मंशा सिर्फ कीर्तिमान स्थापित करना है जबकि असलियत यह है कि हर वर्ष पूर्ण बजट का उपयोग नहीं कर पा रही है सरकार, सरकार को बजट का क्रेडिट लेते हुए शर्म आनी चाहिए, यह जनता का पैसा है, जिसका सरकार सदुपयोग भी नहीं कर पा रही है। जनता को इसके बदले मिलता क्या है? बेरोजगारी, भुखमरी, और टूटी–फूटी कानून व्यवस्था जिसमें महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान महज कागजों पर ही है।

पथरी निकल कर हाथ में आ जाती है कल्याणम सेवा में डा एस बी तिवारी कल्याण जी

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। आप देखे होंगे कि सर्जन जब सर्जरी करता है पथरी आपकी चाहे गुर्दे में हो पित्त की थैली में हो तो वह ट्रे में लेकर के आता है और आप को दिखाता है कि देखिए इतनी बड़ी पथरी थी इतनी पथरिया थी पेट में जिसे हमने सर्जरी कर के निकाल दिया।आप भौचके रह जाते हैं कि पेट में इतनी बड़ी पथरी और कैसे पड़ी हुई थी। लेकिन जरा कल्पना करिए क्या बिना सर्जरी के भी ऐसी सुखद पल देखने को मिल सकते हैं। जी हां ऐसा अब संभव हो रहा है कल्याणम सेवा जिसकी ब्रांच लखनऊ, आजमगढ़, गाजीपुर, नैनीताल जैसे जगह पर सफलतापूर्वक सेवा दे रहे हैं। कल्याणम सेवा के संस्थापक विश्व विख्यात गुर्दा रोग विशेषज्ञ, लिम्का बुक रिकॉर्डर, देश–विदेश में अनेकों सम्मान से सम्मानित, 23000 से भी ज्यादा पथरी, हजारों डायलिसिस, सैकड़ो मोटर न्यूरॉन डिजीज जैसी अनेकों असाध्य बीमारियों को ठीक कर और सबसे बड़ी चीज उसकी प्रमाणिक प्रस्तुति देने वाले विश्व के नामचीन चिकित्सकों में अपना नाम दर्ज करने वाले डॉ एस बी तिवारी कल्याण जी अब ऐसे ही सुखद पल दे करके चिकित्सा जगत में एक सनसनी पैदा कर रहे हैं। पथरी जब ठीक होती है तो पेशाब के रास्ते बाहर निकलकर ज्यादातर लोग पथरी हाथ में लेकर के आ जाते हैं कि देखिए डॉ साहब पथरी निकल गई।वाकई होम्योपैथी चिकित्सा

पद्धति ही नहीं चिकित्सा जगत के लिए एक बहुत ही सुखद आश्चर्य है ऐसे करोडो मरीज के लिए जो पथरी की बीमारी से परेशान हैं जहां वह सर्जरी का खौफ पाले हुए हैं वह परेशान है कि मुझे सर्जरी करानी पड़ेगी पता नहीं सर्जरी से क्या होगा सर्जरी सूट करेगी कि नहीं करेगी। ऐसे में कल्याणम सेवा निश्चित रूप से उनके लिए किसी वरदान से काम नहीं। देखिए माटी की नीलम जी जिन्हें 9 एमएम की पथरी थी ढाई महीने कल्याणम सेवा में इलाज कराया और उनकी पथरी निकली तो यह लेकर के कल्याणम सेवा में खुशी के मारे दिखाते हुए आई। इस तरह से अभिषेक यादव आजमगढ़ के जिन्हें 11 एमएम की पथरी थी 2 महीने के इलाज के बाद पथरी निकली वह भी लेकर के आए ऐसे हजारों वाकए आए दिन कल्याण में होते रहते हैं और पथरी निकल करके हाथ में आ जाती है। किसी किसी की पेशाब के रास्ते बाहर निकल जाती है कुल मिलाकर की पथरी लगभग लगभग निकलना सुनिश्चित है ।अगर सही से मरीज दवा खाए विश्वास के साथ दवा खाए तो निश्चित रूप से निकलेगी ।आज होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के द्वारा इस तरह का विश्वास इस तरह की प्रमाणिकता चिकित्सा जगत के लिए बहुत ही सुखद आश्चर्य है

आठ फरवरी को आयोजित किया जाएगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर – डा0 राघवेंद्र शुक्ला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की प्रेरणा से एवम् डा0के एन सिंह (मेयो मेडिकल कॉलेज)के सौजन्य से विशाल खण्ड–1 स्थित शिव भोला मन्दिर परिसर मे निःशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन दिनांक 8/2/2024 ,समय 11 बजे दिन गुरुवार को होगा ।

सभी निवासी अपना सम्पूर्ण चेकअप कराकर swasthya shivir का लाभ उठायें एवम अपने स्वास्थ्य पैरामीटर से अवगत होकर आयोजन को सफल बनायें तथा सभी को सूचित करने मे सहयोग करें। रक्षा मंत्री भारत सरकार एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह के जनसंपर्क अधिकारी डॉ राघवेंद्र शुक्ला ने उक्त जानकारी दी

15 फरवरी से होगा लखनऊ विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम 2024

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के मंथन हॉल में नेशनल समिट फॉर इंस्टीट्यूशनल लीडरशिप (एनएसआईएल) यानी अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। समागम 15 से 17 फरवरी, 2024 तक लखनऊ विश्वविद्यालय में होने वाला है। समागम के दौरान, उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याययय और लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने लखनऊ विश्वविद्यालय और विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान (वीबीयूएसएस) के बीच सहयोग पर जोर देते हुए समागम में उच्च शिक्षा संस्थानों की भागीदारी पर प्रकाश डाला। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के सफल कार्यान्वयन और भारत में उच्च शिक्षा को बढ़ाने की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए उच्च शिक्षा में नेताओं के लिए चर्चा और विचार साझा करने के लिए एक मंच बनाना है। प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा अपनी तरह की पहली पहल के रूप में समागम के महत्व पर जोर दिया और इसे पहली और महान पहल बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि यह आयोजन विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों के नेताओं को एक साथ लाएगा, जिनमें कुलाधिपति, विश्वविद्यालयों के कुलपति, उच्च शिक्षा संस्थानों के निदेशक, (सरकारी और गैर–सरकारी शैक्षणिक संस्थान) और अन्य संस्थानों के नेता शामिल होंगे। इस समागम में यूजीसी के चेयरमैन, एनएएसी के डायरेक्टर और एआईसीटीई के चेयरमैन भी मौजूद रहेंगे. यह सभा विचारों के परस्पर–निषेचन और एनईपी कार्यान्वयन से संबंधित संस्थागत अनुभवों को साझा करने के लिए एक अद्वितीय मंच के रूप में काम करेगी। समागम को परिणाम–उन्मुख बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसका अंतिम लक्ष्य भारत में उच्च शिक्षा की स्थिति को ऊपर उठाना है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने बताया कि यद्यपि विशिष्ट शैक्षणिक संस्थान अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन बहु–विषयक दृष्टिकोण के विकास के लिए ज्ञान इकट्ठा करने की आवश्यकता है। इस समिट में सभी संस्थान एकजुट होकर काम करेंगे, जिसमें लखनऊ यूनिवर्सिटी अहम भूमिका निभाएगी। समागम का उद्देश्य एनईपी कार्यान्वयन से संबंधित विचारों और संस्थागत अनुभवों के आदान–प्रदान को सुविधाजनक बनाना, विविध शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। समागम के कार्यक्रम में पहले दिन यानी 15 फरवरी, 2024 को यूपी के राज्यपाल, यूपी के मुख्यमंत्री और केंद्र और यूपी के उच्च शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में उद्घाटन शामिल है। दूसरे दिन, 16 फरवरी को यूजीसी के अध्यक्ष प्रोफेसर एम. जगदीश कुमार, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष अनिल सहस्रबुद्धे, पद्मश्री पुरस्कार विजेता चामू कृष्ण शास्त्री और अन्य प्रसिद्ध हस्तियां समागम में मौजूद होंगे। दूसरे दिन विभिन्न इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें सभी कुलपतियों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र समागम की प्रमुख विशेषता होगी। तीसरे दिन, 17 फरवरी को, एक उद्योग–संस्थागत साझेदारी सत्र होगा, जो समागम में दिन का मुख्य निष्कर्ष होगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के अंत में, वीबीयूएसएस के प्रोफेसर जयशंकर पांडे ने योगेन्द्र उपाध्याय से समागम के प्रभावी दीर्घकालिक कार्यान्वयन के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करने में सहायता करने का अनुरोध किया। वीबीयूएसएस के प्रोफेसर जयशंकर पांडे ने समागम के उद्देश्यों, सामाजिक और शैक्षिक लाभों पर प्रकाश डाला। इस समागम में लंबी अवधि में उच्च शिक्षा और छात्रों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के निहितार्थ पर विशेष ध्यान दिया गया है।

तू न मिली गाना का प्रोमो लान्च

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रेस क्लब हजरतगंज लखनऊ में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली के प्रसिद्ध सिंगर विक्की शर्मा द्वारा तू न मिली नया गीत एलबम का प्रोमो लॉन्च किया गया एवं दस फरवरी को तू न मिली गीत को लॉन्च किये जाने के बारे में जानकारी उपलब्ध करायी गयी। यह गीत लव ट्रैन्गल पर आधारित है जिसमे सिंगर, राइटर, ऐक्टर विक्की शर्मा जी की मुख्य तौर पर उपस्थित है। सहपाठी अंकिता दवे है। गीत की शूटिंग लवली प्रोफेश्नल युनिवर्सिटी जालधर पंजाब में हुआ है। इस दौरान सभी प्रमुख समाचार चौनल प्रेसवार्ता में सम्मिलित रहे। प्रेसवार्ता का आयोजन मोहरा–वी प्रोडक्शन के बैनर तले प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया ।आयोजन के दौरान सर्वश्री अमित श्रीवास्तव, मयंक गुप्ता, ज्योतिष सनी, आशुतोष, राजू माली, अनीकेत आदि उपस्थित रहे।

सांसद प्रतिनिधि समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने किया आउटर रिंग रोड का निरीक्षण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रक्षा मंत्री भारत सरकार एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह के प्रतिनिधि दिवाकर त्रिपाठी, ओएसडी केपी सिंह, पीआरओ डॉक्टर राघवेंद्र शुक्ला, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, त्रिलोक अधिकारी, कमिश्नर, पीडी एनएचएआई ने आउटर रिंग रोड का निरीक्षण किया।

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय में डी सी पी उत्तरी का विदाई समारोह आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय में रविवार देर शाम डी सी पी उत्तरी रहे आईपीएस एस एम कासिम आब्दी का विदाई समारोह आयोजित हुआ व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने डी सी पी उत्तरी के पद पर रहते हुए उनके कार्यकाल की सारहना करते हुए उनको व्यापारियों का हितैषी तथा जनता की पीड़ा समझने वाला अधिकारी बताया तथा अशोक लाट स्मृति चिन्ह के रूप मे भेंट किया। तथा कहा कि उनका व्यापारियों के प्रति हमेशा सकारात्मक सहयोग रहा है व्यापारी उनके कार्यकाल को याद रखेंगे। इस अवसर पर आईपीएस एस एम कासिम आब्दी व्यापारियों के बीच भावुक हुए तथा उन्होंने सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया तथा कहा कि आप सबका प्यार और विश्वास हमेशा काम करने के लिए ताकत देता रहा। इस अवसर पर ट्रांस गोमती प्रभारी मनीष पांडे, ट्रांसगोमती अध्यक्ष अनिरुद्ध निगम, भूतनाथ मार्केट के अध्यक्ष कमल अग्रवाल, नगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमिताभ श्रीवास्तव, भूतनाथ आदर्श व्यापार मंडल के महामंत्री मनोज अग्रवाल,उपाध्यक्ष राजेश सक्सेना, प्रमोद बंसल, सौरभ अरोड़ा, भूतनाथ मंदिर मार्केट के प्रभारी दिनेश शर्मा, सर्वोदय नगर मार्केट के अध्यक्ष मोहम्मद रिजवान, मुंशी पुलिया के अध्यक्ष दीपक सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में व्यापारी रहे व्यापारियों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा माला फूल एवं अंग वस्त्र ओढाकर उनका स्वागत सम्मान विदाई दी।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद दूसरी बार अयोध्या आएंगे सदी के महानायक अमिताभ बच्चन

अयोध्या। कई साल के लंबे संघर्ष के बाद जब से प्रभु राम अपने भव्य महल में विराजमान हो चुके हैं, तब से राम नगरी अपनी एक अलग पहचान बन गई है। प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम के बाद रामलला के दर्शन के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं. वहीं दूसरी तरफ अयोध्या में रहने की तैयारी कर रहे सदी के महानायक अमिताभ बच्चन भी अब अयोध्या की ब्रांडिंग कर रहे हैं। बता दें कि अमिताभ बच्चन लैंड डेवलपर कंपनी और ज्वेलरी की ब्रांडिंग कर रहे है। लेकिन जानकार बताते हैं कि इसका लाभ अयोध्या वासियों को भी मिलना तय है। दरअसल, 9 फरवरी को महानायक अमिताभ बच्चन अयोध्या रहे हैं। जहां आभूषण जगत का एक नामी ब्रांड यहां अपना शोरूम खोलेगा। जिसका शुभारंभ करने अमिताभ बच्चन अयोध्या आ रहे हैं। कल्याण ज्वेलर्स अपना 250वां शोरूम ध र्मनगरी अयोध्या में खोलने जा रहा है। राम मंदिर से मात्र 8 किलोमीटर दूरी पर स्थित अयोध्या सिविल लाइन चौराहे पर इस शोरूम का शुभारंभ होगा।हालांकि अयोध्या ने वह समय भी देखा है जब बड़े–बड़े ब्रांड यहां आने से कतराते थे लेकिन साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला देते हुए मंदिर के पक्ष में जब से निर्णय दिया है तब से पूरे देश–दुनिया के लोग यहां पर अपना होटल, इंडस्ट्री, घर बनाना चाहते हैं। इतना ही नहीं फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स के साथ–साथ अन्य क्षेत्रों की बड़ी कंपनियां प्रभु राम की नगरी में निवेश कर रही है। प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने सदी के महानायक अमिताभ बच्चन अयोध्या पहुंचे थे और ठीक 18 दिन बाद वह 9 फरवरी को फिर दूसरी बार अयोध्या आ रहे है। सूत्रों की माने तो अमिताभ बच्चन रामलला और हनुमानगढ़ी का दर्शन भी करेंगे।इतना ही नहीं अमिताभ बच्चन खुद दस हजार स्क्वायर फीट जमीन अयोध्या में ले चुके हैं और वहां पर वह अपना एक आशियाना बनाना चाहते हैं।

अस्पताल में पान–मसाला खाकर आने वालों की अब खैर नहीं, होगा एक्शन – सीएमएस

अयोध्या। जिला अस्पताल में अब पान–मसाला खाकर प्रवेश करने वाले मरीज व तीमारदारों की खैर नहीं है। ऐसे लोगों पर नजर रखने के लिए अस्पताल के प्रवेश द्वार पर ही सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया जाएगा। वे ऐसे लोगों को मुंह ध ुलवाकर ही अंदर जाने देंगे। अगर कोई परिसर के अंदर पान–मसाला चबाता मिला तो रसीद काटकर उससे फाइन वसूला जाएगा। वही इस चिकित्सालय में भर्ती मरीजों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जिला चिकित्सालय में तैनात आधे से अधिक चिकित्सक व कर्मी पान मसाला का सेवन करते हुए दिखाई देते हैं।इन पर कौन रोक लगायेगा। बताते चलें कि रिकाबगंज स्थित 212 बेड के जिला अस्पताल की ओपीडी में रोजाना 800 से 1000 के करीब मरीज पहुंचते हैं।अक्सर देखा जाता है लोग कहीं भी थूक देते हैं।इसे लेकर नवागत सीएमएस डॉ. एनपी गुप्ता एक्शन में आ गए हैं।उन्होंने परिसर को नशा मुक्त बनाने का बीड़ा उठाया है।पिछले सप्ताह उन्होंने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश के मुताबिक किसी को भी अस्पताल परिसर में पान–मसाला चबाने की अनुमति नहीं है।सीएमएस ने बताया कि इस आदेश का पालन अस्पताल के चिकित्सक व कर्मियों को भी करना होगा।अगर कोई भी नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।उन्होंने बताया कि सोमवार से आदेश को अमल में लाने का निर्देश दिया गया है। हालांकि अभी फाइन लगाने की राशि तय नहीं की गई है।सीएमएस डॉ. एनपी गुप्ता ने बताया कि नशा समाज को खोखला करता जा रहा है।हमारी कोशिश यह ही नहीं है कि सिर्फ उनसे जुर्माना वसूला जाए, बल्कि हम लोग उनकी काउंसिलिंग भी कराएंगे। मनोरोग चिकित्सक से बात कर इस पर विचार किया जा रहा है।सीएमएस ने न्यू इमरजेंसी वार्ड को पुरुष सर्जिकल वार्ड बनाने का निर्देश दिया है। जनरल वार्ड को फीमेल सर्जिकल व आर्थो वार्ड बनाने व मेल सर्जिकल वार्ड को पूर्ण रूप से इमरजेंसी वार्ड बनाने का निर्देश दिया है।उन्होंने स्पष्ट कहा है कि 24 घंटे के बाद समस्त इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीजों को संबंधित वार्ड में शिफ्ट किया जाए।

छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन का वितरण किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

हरदोई। डॉ राम मनोहर लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अल्लीपुर, हरदोई में मुख्य अतिथि प्रेमावती पीके वर्मा जिला पंचायत अध्यक्ष हरदोई ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान हरदोई जिले का सबसे पुराना प्रतिष्ठत संस्थान है। हमारा परिवार इस संस्थान के पूरी लगन श्रद्धा व निष्ठा के साथ जुड़े रहा है। आज यह संस्थान अपनी ऊंचाइयों को छू रहा है । महाविद्यालय के 350 बच्चो को स्मार्टफोन वितरण किया जा रहा है। आप सभी अपने फोन का इस्तेमाल अपनी पढ़ाई के लिए ही करें जिसमें गूगल पर बोलकर शिक्षा संबंधी समस्त आवश्यकताओं को आप पूरा कर सकते हैं इसके साथ ही बच्चों के उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी।

योगी आदित्यनाथ जी द्वारा चलाई जा रही योजना स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत छात्र–छात्राओं को स्मार्टफोन का वितरण किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलंकर किया गया मुख्य अतिथि प्रेमावती वर्मा ने दीप पर प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच पर उपस्थित समस्त अतिथियों का परिचय व स्वागत किया गया। समारोह अध्यक्ष संस्थान के प्रबंधक डॉ सुशील चंद्र त्रिवेदी मधुपेश जी अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय साहित्य परिषद ने अपने संस्थान स्थापना में आने वाली कठिनाइयों से परिचित कराया और बताया कि जब कोई व्यक्ति ऊंचाई पर बढ़ता है तो उसके सामने अनेकानेक कठिनाइयां आती हैं लेकिन हार ना मानने वाले की ही जीत होती है इसी तरीके से आप सभी छात्र–छात्राओं से अपेक्षा करता हूं कि आप सभी अपनी शिक्षा व प्रशिक्षण में पूरी श्रद्धा व निष्ठा के साथ कार्य करेंगे तो निश्चय ही आपकी भी जीत होगी व अपने क्षेत्र में आप सफलता प्राप्त करेंगे। इसके पश्चात डॉक्टर एस0 एस0 त्रिवेदी ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम का संचालन श्री आनंद विशारद जी ने किया इस अवसर पर मेघा गुप्ता सुमन , मुकेश शिवम आदि समस्त स्टाफ उपस्थित रहा स्मार्टफोन पाकर समस्त छात्र–छात्राओं के चेहरे खिल उठे।

हादसे में बाइक सवार सुपरवाइजर गंभीर घायल, लखनऊ रेफर

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। सहादतगंज से अयोध या नयाघाट के बीच निर्माणाधीन रामपथ पर पाइप लाइन निर्माण के कार्य का एक सुपरवाइजर एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल सुपरवाइजर को हालत गंभीर देख लखनऊ के लिए रेफर किया गया है।

बताया गया कि पूराकलंदर थाना क्षेत्र के काली पांडेय का पुरवा निवासी 28 वर्षीय सर्वेश पांडेय पुत्र राम अभिलाक पांडेय रामपथ पर जलापूर्ति के लिए बिछाई जा रही पाइपलाइन में सुपरवाइजर का काम कर रहा था। सोमवार की रात वह अपनी ड्यूटी पूरी कर अपनी बाइक से वापस घर जा रहा था। इसी दौरान सरियावां स्थित ओवर ब्रिज के पास एक पिकअप वाहन ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। मामले की जानकारी के बाद उसके भाई परवेश पांडेय ने रात 11:55 बजे उसको जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां से इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने हालत गंभीर देख उसको लखनऊ रेफर कर दिया। मंगलवार को दूरभाष पर परवेश पांडेय ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में उसका परीक्षण और उपचार चल रहा है।

बारुन बाजार चौकी का मुख्य आरक्षी घायल

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के इनायत नगर थाना क्षेत्र के रानी बाजार इलाके में किसी वाहन में बारुन बाजार चौकी पर तैनात मुख्य आरक्षी के मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में मुख्य आरक्षी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मध्य रात्रि के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनायत नगर थाने के बारुन बाजार चौकी पर तैनात मुख्य आरक्षी 36 वर्षीय समीर रंजन पुत्र प्रेम प्रकाश यादव मध्य रात्रि बाद अपनी मोटरसाइकील से नियमित गश्त ड्यूटी पर निकला था।इसी दौरान लगभग 12:30 बजे रानी बाजार चौराहे के पास किसी वाहन ने मुख्य आरक्षी की मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी, जिसमें वह घायल हो गया। जानकारी के बाद पुलिस चौकी के ही आरक्षी संतराम ने घायल मुख्य आरक्षी को रात्रि 2:05 बजे लाकर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया है।

नवागन्तुक सेनानायक पंकज पाण्डेय ने बाबा विश्वनाथ का दर्शन कर कार्यभार संभाला

अयोध्या। मीडिया सेल 34 वी वाहिनी पीएसी वाराणसी के मुताबिक नवागत सेनानायक 34 वीं पीएसी वाराणसी का दायित्व मिलने के बाद पंकज कुमार पाण्डेय ने सेनानायक के रुप में पद भार ग्रहण किया। उन्होंने वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन एवं पूजन के बाद अपने नव नियुक्ति का पदभार ग्रहण किया। बताते चलें कि इससे पहले यहां पर पूर्व में सेनानायक रहे डॉक्टर राजीव नारायण मिश्र के डीआईजी के पद पर पदोन्नति के पश्चात पीएसी सेक्टर कानपुर नगर स्थानांतरण हो जाने के बाद कुशल अनुभवी आईपीएस अधिकारी पंकज पांडेय को 34 वीं वाहिनी पीएसी का दायित्व सौंपा गया।वाहिनी में आगमन पर नवागत सेनानायक पंकज पांडेय का वाहिनी के अधिकारियों ध्कर्मचारीयों ने उनका अभिनंदन व स्वागत किया। इस मौके पर सेनानायक द्वारा समस्त कार्यालय, मुख्यालय शाखा, बैंड आदि का निरीक्षण किया गया। वही वहां पर मौजूद कर्मियों को उन्होंने आवश्यक जरूरी दिशा निर्देश भी दिए गए।

इस मौके पर सहायक सेनानायक अरूण कुमार सिंह एवं 34वी वाहिनी मुख्यालय के समस्त अधिकारी /कर्मचारी मौजूद रहे।

कांग्रेस ने संजय तिवारी एवं अम्बरीश पाण्डेय को बनाया लोकसभा कोआर्डिनेटर

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। लोकसभा चुनाव की तैयारियों को तेज करते कांग्रेस पार्टी विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों के लिए अपने को–आर्डिनेटरों की नियुक्ति कर रही है। बीते शनिवार को भी 46 लोकसभा क्षेत्रों में नियुक्ति की गई है। जिसमें नगर पंचायत कुमारगंज जनपद अयोध्या निवासी युवा कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष संजय तिवारी को प्रतापगढ़ लोकसभा तो वहीं नागीपुर निवासी अम्बरीष पाण्डेय को मोहनलालगंज (सुरक्षित) लोकसभा क्षेत्र का को–आर्डीनेटर बनाया गया है। गौरतलब है कि संजय तिवारी और अम्बरीष पाण्डेय लगातार कांग्रेस पार्टी में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। संजय तिवारी वर्ष 2003 से कांग्रेस में सक्रिय रहते हुए ब्लाक युवा कांग्रेस अध्यक्ष, विधानसभा अध यक्ष एवं जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस के पद पर कार्यरत रहते हुए कांग्रेस पार्टी को अपनी सेवाएं देते आ रहे हैं। श्री तिवारी की सक्रियता को देखते हुए पार्टी ने पिछले वर्ष उन्हें उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का सदस्य भी नामित किया है और अब प्रतापगढ़ लोकसभा क्षेत्र के को–आर्डीनेटर का दायित्व सौंपा है। वहीं अम्बरीष पाण्डेय भी 90 के दशक से कांग्रेस पार्टी में सक्रिय रहते हुए विभिन्न पदों पर कार्यरत रहते हुए पार्टी को अपनी सेवाएं देते आ रहे हैं और अब कांग्रेस ने उन्हें मोहनलालगंज (सुरक्षित) लोकसभा क्षेत्र के को–आर्डीनेटर का दायित्व दिया है।को–आर्डीनेटर का दायित्व मिलने पर संजय तिवारी ने पार्टी के केंद्रीय एवं प्रदेशीय नेतृत्व का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि ष्पार्टी ने जिस भरोसे और उम्मीद के साथ यह दायित्व सौंपा है मैं उस पर पूर्णतया खरा उतरने का प्रयास करूंगाष। वहीं अम्बरीष पाण्डेय ने भी अपनी नियुक्ति पर पार्टी नेतृत्व का धन्यवाद ज्ञापित किया है।संजय और अम्बरीष की नियुक्ति पर जिले के कांग्रेस नेताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें अपनी बधाई व शुभकामनाएं दी है। बधाई देने वाले में निर्मल खत्री (पूर्व सांसद), शशांक त्रिपाठी अंशु, जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव, महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष शिवपूजन पांडेय, जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम, छात्र संगठन के प्रदेश उपाध यक्ष शैलेश शुक्ला, युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष शरद शुक्ला, युवा कांग्रेस के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष राहुल तिवारी, दयानंद शुक्ला, परमानंद शुक्ला,विजय पाण्डेय, शैलेन्द्र पाण्डेय, भीम शुक्ला, दिनेश शुक्ला, शैलेंद्र पांडे ,रामदास वर्मा, तेजबली पाण्डेय, बृजेश रावत, विकास सिंह विक्की सभासद, संतोष कुमार, सभासद जयचंद विजय पांडे डॉक्टर रवि पांडे, बिलाल अंसारी, मोहम्मद तारिक प्रशांत पांडे आशुतोष सिंह आदि शामिल रहे।

अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री कैबिनेट के साथ किया राम लला का दर्शन

अयोध्या। मंगलवार को अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री व कैबिनेट सदस्य अयोध्या में रामलला दर्शन पूजन किया। श्री राम दर्शन यात्रा के मीडिया प्रमुख दिवाकर सिंह ने बताया कि अरूणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ दर्शन किया।उनके साथ कुल 70 लोग विशेष विमान से प्रात 9 बजे अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचें।अयोध या एयरपोर्ट पहुंचने पर भाजपा के पदाधिकरियों द्वारा उनका स्वागत किया।इसके बाद अयोध्या में रामलला का दर्शन–पूजन किया। एयरपोर्ट पर स्वागत करने की जिम्मेदारी जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, सहित अन्य भाजपा पदाध िकारियों मौजूद रहे।

मोदहा क्रासिंग पर मनवर संगम की चपेट में आया शख्स

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। प्रयागराज–अयोध्या रेल प्रखंड पर मंगलवार को मोदहा क्रासिंग पर एक शख्स उधर से गुजर रही मनवर संगम एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में घायल शख्स को आरपीएफ के जवान ने उसकी पत्नी की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। बताया गया कि मूल रूप से इनायतनगर थाना क्षेत्र के हैरिंग्टनगंज का रहने वाला 40 वर्षीय अखंड प्रताप सिंह पुत्र चंद्रपाल सिंह यहां नगर कोतवाली क्षेत्र के कौशलपुरी कालोनी में किराये का कमरा लेकर परिवार के साथ रहता है। उनकी पत्नी ममता सिंह का कहना है कि सुबह वह सब्जी लेने की लिए घर से निकले थे। इसी दौरान लगभग साढ़े नौ बजे मोदहा रेलवे क्रासिंग पर प्रयागराज से बस्ती जा रही मनवर संगम एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया। आरपीएफ को सूचना पर उन्होंने घायल पति को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। उनको चेहरे, दाढ़ी और हाथ–पैर में चोट आई है।आरपीएफ प्रभारी का कहना है कि हादसा क्रासिंग पार करने के दौरान हुआ।मामले की जाँच कराई जा रही है।

अवध विवि का कवि कुल गुरू कालीदास संस्कृत विश्वविद्यालय,महाराष्ट्र से अनुबंध

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय व कवि कुल गुरू कालीदास संस्कृत विश्व विद्यालय, महाराष्ट्र के मध्य अनुबंध ा किया गया। विवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के निर्देश पर अवध विश्व विद्यालय के कुलसचिव डॉ0 अंजनी कुमार मिश्र व कवि कुलगुरू विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो0 हरे कृष्ण पाण्डेय के निर्देशन में कुलसचिव प्रो0 कृष्ण कुमार पाण्डेय के बीच महाराष्ट्र में अनुबंध ा पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 अंजनी ने बताया कि इस एमओयू से दोनों संस्थानों के विद्यार्थी व शिक्षक संयुक्त रूप से अकादमिक दक्ष होंगे। इसके अतिरिक्त वे अध िगम शिक्षण के साथ व्यावहारिक रूप से प्रशिक्षित होंगे। कुलसचिव डॉ0 मिश्र ने बताया कि संस्थानों के मध्य तीन वर्ष के लिए एमओयू किया गया है। जिनमें अकादमिक सूचनाओं के साथ शोध विषयों के आदान–प्रदान पर सहमति बनी है। इसमें शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं को प्रशिक्षण, कार्यशाला, सेमिनार व अन्य अधिगम कार्यक्रमों से सीखने का अवसर मिलेगा।कवि कुलगुरू कालीदास संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो0 कृष्ण कुमार पाण्डेय ने बताया कि दोनों संस्थानों की आपसी सहमति से अनुबंध–पत्र पर हस्ताक्षर किए गए है। इससे अकादमिक व प्रायोगिक कार्यों के साथ विशेषज्ञों की सहायता से शोध ापरक कार्यों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी। इस एमओयू पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल के प्रो0 रमाकांत पाण्डेय, प्रयागराज परिसर के प्रो0 ललित कुमार त्रिपाठी, प्रो0 प्रसाद गोखले, प्रो0 मधुसुधन पेन्ना, प्रो0 कविता होले, प्रो0 हरे कृष्ण अगस्ती, प्रो0 जयंत चौधरी, प्रो0 कलापिनी अगस्ती, प्रो0 रतन मोहन झा, डॉ0 अनिल कुमार, उप कुलसचिव डॉ0 सुमित कठाले, डॉ0 दीपक कापडे, कुणाल महाजन, श्रीवरदा मालगे आणि, अंकित मिश्रा मौजूद रहे।

आधुनिक तकनीक युग में हमें अपडेट रहने की जरूरत – प्रो. पायल चंदेल

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन के संगोष्ठी हाल में सोमवार को दो सप्ताह का कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के दूसरे दिन केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के मनोविज्ञान की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल ने कहा कि रिसर्च शनैः शनैः और शांति से किया जाने वाला कार्य है। शोध में आधुनिक तकनीक का प्रयोग तेजी से चल रहा है। इस क्षेत्र में बदलाव बहुत जल्दी– जल्दी हो रहे हैं, इसलिए अपने आप को अपडेट करने की जरूरत है। प्रो. पायल ने बेरोजगारी पर बोलते हुए कहा कि आज कोई बेरोजगार नहीं है। बेरोजगारी का मतलब सिर्फ नौकरी ही नहीं जो आप चाहते हो। आज दूसरी भी जॉब कर सकते हो। आप अपना स्टार्टअप भी शुरू कर सकते हो। उन्होंने शोध की समस्या, प्राविधि और रिसर्च प्रश्नावली पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। साथ ही उसके आयामों को उदाहरण सहित समझाया।

कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह ने अतिथियों का स्वागत, सह समन्वयक डॉक्टर मनोज पांडेय ने कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम की रुपरेखा पर विस्तृत रुप से प्रकाश डाला। दूसरे सत्र को प्रबंध संकाय के डॉ. आशुतोष कुमार सिंह ने संबोधित किया। संचालन डॉ. अनु त्यागी और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. वीडी शर्मा, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ सुनील कुमार, डॉ. सुधीर उपाध्याय, अनुपम कुमार समेत कई शिक्षक और प्रतिभागी उपस्थित थे।

'10 फरवरी से शुरू हो जायेगा एनएसडीए मोटेसरी स्कूल में नर्सरी एडमिशन प्रोसेस'

'नये सत्र में प्रवेश के लिये रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया–प्रबंधक'

'बच्चों को अच्छी शिक्षा देना ही हमारा उद्देश्य–डा ए0बी0 सिंह'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' क्षेत्र की सम्मानित जनता के लिये खुश खबरी अगर आपका बच्चा अब स्कूल जाने लायक हो गया है और आप पाली पछोहा क्षेत्र में रहते हैं तो ये खबर आपके लिए ही है। पाली कस्बे से सटा हुआ बाबरपुर रोड पर आजाद नगर में सीबीएसई नई दिल्ली पर आधारित एनएसडीए मोंटेसरी स्कूल खुल गया है। विद्यालय प्रबंधक ने बताया कि पाली पछोहा क्षेत्र के अविभावकों को अपने नन्हें मुन्ने बच्चों को अच्छी शिक्षा ग्रहण करने के लिए कस्बे से काफी दूर जैसे हरदोई,शाहजहांपुर, फर्रुखाबाद आदि स्थानों पर भेजना पड़ता है। अविभावकों के दर्द एवं कोमल बच्चों का घंटों का सफर तथा समय बर्बाद होने के साथ– साथ काफी थकान महसूस करते हैं। इन तमाम कठिनाइयों के निराकरण के साथ ही पाली पछोहा की उत्तम अंग्रेजी माध्यम द्वारा शिक्षा की पूर्ति हेतु एनएसडीए मोंटेसरी स्कूल कस्बा पाली के बाबरपुर रोड आजाद नगर की स्थापना की गई जिससे क्षेत्र की जनता (अविभावकों) को अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने का सपना पूरा हो सके साथ ही आने वाली कठिनाइयों से निजात मिल सके। इन तमाम बातों को ध यान में रखते हुए शिक्षा के क्षेत्र में चिर परिचित ए0बी0 सिंह कालेज ऑफ फार्मेसी स्वामी ब्रह्मानंद महाविद्यालय आगमपुर के प्रबंधक डॉ ए0बी0 सिंह ने क्षेत्र के नन्हें मुन्ने बच्चों को नर्सरी से कक्षा 9 तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने का निर्णय लेकर एनएसडीए मान्टेसरी स्कूल की स्थापना की है। और उन्होंने कहा कि मोंटेसरी स्कूल की स्थापना का उद्देश्य विद्यालय प्रशासन की निगरानी में 'योग्य एवं अनुभवी वाह्य शिक्षित /प्रशिक्षित शिक्षक /शिक्षिकाओं' के माध्यम से कान्वेंट स्कूलों की तरह आधुनिकतम शिक्षण विधियों का प्रयोग कर उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाओं में लर्निंग वाई डूइंग द्वारा बुद्धि विकास कर उच्चतम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि क्षेत्र के अविभावकों ने विश्वास जताया तो हम शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के संकल्प को पूरा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे यह हमारा वादा है। बच्चों एवं उनके अविभावकों को कभी शिकायत का मौका नहीं दिया जायेगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।